के_डी_न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 11 सुलतानपुर शुक्रवार 15 नवम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

कांग्रेस ने गरीबी हटाने के नाम पर गरीबों को लूटा, पीएम मोदी का बड़ा आरोप, वोट पाने के लिए देश के साथ कर लरे खिलवाड़

एजेंसी।

नई दिल्ली मोदी ने कहा कि 23 तारीख को जो नतीजे आने वाले हैं, उसकी गारंटी यहां दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें स्वराज की शपथ दिलाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पनवेल में विशाल जनसभा संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र को विकसित भारत के विजन का नेतृत्व करना है, बीजेपी और महायुति इसी संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं। अपने संबोधन की शुरूआत में मोदी ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे एक बार फिर रायगढ़ की इस मिट्टी को फिर से नमन करने का अवसर मिला है। रायगढ़ से मेरा एक आत्मीय और भावात्मक संबंध है। उन्होंने कहा कि 2013 में जब भाजपा ने मुझे पीएम पद का उम्मीदवार बनाया था, तब मैंने रायगढ़ किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया था। मोदी ने कहा कि 23 तारीख को जो नतीजे आने वाले हैं, उसकी गारंटी यहां दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें स्वराज की शपथ दिलाई थी। हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वराज के साथ–साथ सुराज के संकल्प को आगे बढ़ाना है। स्वराज का ये संकल्प तब पूरा होगा जब हमारा गरीब आगे बढ़ेगा। इस संकल्प की सिद्धि का काम केवल भाजपा और महायुति सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने तो हमेशा गरीब को गरीब बनाए रखने के एजेंडे पर ही काम किया है। पीढ़ी दर पीढ़ी ये लोग केवल गरीबी हटाओ का झूठा नारा देते रहे। गरीबी हटाओ के नारे के नाम पर कांग्रेस ने गरीबों को ही लूट लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए मेरा गरीब, जिंदगी की मुश्किलों से बाहर नहीं आ पाया। आजादी के 70 साल बाद भी देश के ज्यादातर लोग रोटी, कपड़ा और मकान पाने के लिए जूझते रहे। पिछले 10 वर्षों में पहली बार ये हालात बदले हैं।

मानव कल्याण के लिए सत्संग से बढ़कर दूसरा साधन नहीं

धनपतगंज, सुल्तानपुर।जगदेव प्रसाद पांडे के यहां चल रही।श्रीमद्भागवत के तृतीय दिवस की कथा में वृंदावन धाम से पधारे पूज्य बाल व्यास मधुर जी महराज ने बताया संक्रन्मनः कृष्ण पदा रविन्दयोह। भगवान के नाम की महिमा के बारे में बताया कि अंत समय एक बार राम का नाम आ जाएं तो जीव को भगदधाम की प्राप्ति हो जाती है। परंतु ए काम बहुत कठिन है। क्योंकि जनम –२ मुनि जतन कराही, अंतराम कहि आवत नाहीं, बड़े बड़े संत जीवन पर्यंत भगवान के नाम का जप करते रहते हैं फिर भी उनकी जिह्वा से अंत समय भगवान का नाम नहीं निकलता तो साधारण जीव की बात ही क्या है। किंतु जब निरंतर अभ्यास से कठिन परिश्रम से सफलता मिलती है तो भगवान के नाम के जप से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है और निरंतर प्रभु के नाम का जप करने की आदत बना ले और उनकी भक्ति में संलग्न रहता है तो अंतिम समय में भगवान का नाम स्वयंतः ही आ जाता है। तृतीय दिवस की कथा में भरत चरित्र, प्रहलाद चरित्र का श्रवण किया गया। श्री मद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह की तृतीय दिवस की कथा में पूज्य बाल व्यास मधुर जी महराज का कथा पूर्व मुख्य यजमान पूर्व प्राचार्य पंडित जगदेव प्रसाद पाण्डेय शास्त्री परिवार द्वारा भव्य स्वागत सत्कार किया गया। कथा में पूर्व प्रवक्ता राम मिलन शुक्ल, शिक्षक राम अवसान द्विवेदी, बिंद्रा प्रसाद शुक्ल,स्वामी नाथ मिश्रा, पूर्व राजस्व निरीक्षक देवी प्रसाद तिवारी, पूर्व कानूनगो सूर्य नारायण तिवारी, पूर्व थानाध्यक्ष ज्वाला प्रसाद पाण्डेय, न्यू गीतांजलि टाइम्स सुल्तानपुर के मान्यता प्राप्त पत्रकार उमेश तिवारी, विशेष संवाददाता पंकज तिवारी, बैकुंठ तिवारी, के के शुक्ला सैकड़ों कथा भक्तों सहित पाण्डेय परिवार उपस्थित रहा। पत्रकार संतोष पाण्डेय के ग्रामीण आवास पर श्री मद भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के तृतीय दिवस की कथा में श्रोताओं ने कथा का रसास्वादन किया।

आईजीएल में नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

सहजनवा गोरखपुर । इंडिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड के बिजनेस हेड एसके शुक्ल के कुशल मार्गदर्शन एवं प्लांट हेड शैलेन्द्र पांडेय के कुशल नेतृत्व में आई चिकित्सा शिविर का आयोजन राज आई हॉस्पिटल के सहयोग से हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक महाप्रबन्धक मानव संशाधन एवं प्रशाशन दशरथ मिश्र रहे और विशिस्ट अतिथि डिस्पैच हेड अतुल पाण्डेय, प्रबन्धक पर्यावरण दुर्गेश मणि त्रिपाठी एवं राज आई हॉस्पिटल के प्रतिस्थापक डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तवा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक प्रबन्धक प्रशाशन अखिलेश कुमार शुक्ल ने किया। अतिथियों का स्वागत डॉ कमलेश कुमार सिंह ने किया। इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 101 लोगो के आँखों का परीक्षण हुआ और जांच के अनुसार चश्मा एवं दवा वितरित किये गए। नेत्र शिविर का संचालन डॉ. कमलेश सिंह, ने किया। नेत्र शिविर में आने वाले रोगियों के लिए समुचित व्यवस्था सहायक प्रबंधक प्रशासन अखिलेश शुक्ल, शब्बीर अहमद ने किया। दशरथ मिश्र ने बताया की बिजनेस हेड के नेतृत्व में प्रत्येक माह चिकित्सा शिविर का आयोजन कराया जाता है और शिविर का अधिकतम लाभ श्रमिकों को मिले इसके लिए पूरी आईजीएल परिवार समर्पित रहता है। अखिलेश कुमार शुक्ल ने सभी अतिथियों के प्रति आभार जताया। शिविर में राज आई हॉस्पिटल के मैनेजर डी डी द्विवेदी, नवाज खान, अरुण कुमार साहनी, अंकित दुबे, शमशाद अन्सारी उपस्थित रहे।

चाचा नेहरू के जन्मदिन पर परिषदीय विद्यालय के बच्चों ने लगाया बाल मेला

बेलीपार गोरखपुर । बाल दिवस के मौके पर परिषदीय विद्यालयों में बच्चों ने बाल मेला लगाया। इस मेले में बच्चों ने उत्साह और खुशी से भाग लिया। बच्चों ने मेला स्थल पर छोटे–छोटे स्टॉल लगाए थे, जिनमें टॉफी, बिस्किट, नमकीन और अन्य खाद्य पदार्थों का व्यापार होता नजर आया। कहीं बच्चे खुद बिस्किट और टॉफी बेचते हुए दिखे, तो कहीं उन्होंने दूसरों से खरीदारी की और इस मौके का आनंद लिया। बाल मेला बच्चों के लिए न केवल एक खुशियों से भरा उत्सव था, बल्कि यह उन्हें व्यापार, साझेदारी और टीमवर्क जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल सिखाने का एक अवसर भी बना। चाचा नेहरू के प्रति बच्चों का प्रेम और समर्पण हर साल इस दिन को विशेष बनाता है।

–सुलतानपुर– गुरुवार को जिला न्यायालय के प्रशाशनिक सभागार में जिला जज जयप्रकाश पांडेय जी का अभिवादन करते हुए सुशील कुमार उपाध्याय अधिवक्ता (दीवानी न्यायालय)।

एसवीएन पब्लिक स्कूल रामचौरा में मनाया गया वार्षिकोत्सव

कैम्पियरगंज गोरखपुर। कैम्पियरगंज तहसील के एसवीएन पब्लिक स्कूल रामचौरा में वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय

विद्यालय प्रबन्धक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा गोस्वामी गौरव भारती, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष महफूज आलम, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य परमहंस, जिलाध्यक्ष गोरखपुर गणेश शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी कन्हैया लाल जायसवाल ने पूरे कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे। इसके आलावा कार्यक्रम के आयोजक एवं प्रबन्धक तथा जिला मंत्री जितेन्द्र यादव, संरक्षक वीरेन्द्र सिंह, ओम प्रकाश जायसवाल सहित विद्यालय के सभी अध्यापकध्अध्यापिकाएं तथा छात्रध्छात्राएं एवं अभिभावक मौजूद रहे।

ओम हास्पिटल का पंजीकरण निरस्त करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया नोटिस

कैम्पियरगंज गोरखपुर। कैम्पियरगंज के ओम हास्पिटल की जांच में बड़े पैमाने पर खामियां मिली है। स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों के जान से खिलवाड़ मानते हुए हास्पिटल का पंजीकरण निरस्त करने के लिए नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है। साथ ही प्रशासन को कार्यवाही के लिए पत्र लिखा है। कैम्पियरगंज में बिना डॉक्टर के निजी अस्पताल का संचालन किया जा रहा है। सड़क दुर्घटना और अन्य बीमारी के मरीजों से मनमाना रकम वसूला जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग ने कैम्पियरगंज के ओम हॉस्पिटल को नोटिस दिया है। हॉस्पिटल की शिकायत पिछले दिनों पीड़ित राम सहानी, ओमप्रकाश कन्नौजिया, अखिलेश, मनोज कुमार और अन्य लोगों ने शिकायत की थी। इस पर 29 अक्तूबर को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ओम हॉस्पिटल का निरीक्षण किया था। निरीक्षण में चार मरीज भर्ती पाए गए थे। अनाधिकृत रूप से पैथालॉजी संचालित पाया गया था। अल्ट्रासाउंड मशीन क्रियाशील थी। अल्ट्रासाउंड मशीन का पंजीकरण नहीं था। पंजीकृत बेड के सापेक्ष अधिक बेड मिले थे। अधिकृत चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित नहीं मिले थे। नोडल अधिकारी और एसीएमओ डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बताया कि ओम हॉस्पिटल पर अधिकृत चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित नहीं थे।

जीवन ज्योति इण्टर कालेज में बाल दिवस पर मेले का आयोजन हुआ

अकटहवा गोरखपुर। भरोहिया ब्लाक के जीवन ज्योति इन्टरमीडिएट कालेज कल्यानपुर पीपीगंज गोरखपुर में बाल दिवस पर मेले का आयोजन किया गया था। जिसमें बच्चों विभिन्न प्रकार के प्रोजेक्ट और खाने पीने के सामानों का स्टाल भी लगा रखा था। विद्यालय के प्रधानाचार्य कन्हैया लाल

जायसवाल ने निरीक्षण कर बेहतरीन कार्य के लिए बच्चों की सराहना कर उन्हें शुभकामनाएं दिया। और इस प्रेरणादायी कार्य के लिए अध्यापकध्अध्यापिकाओं की सराहना किया। बच्चों को और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को मिष्ठान वितरित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। इस अवसर पर ओम प्रकाश यादव, राजेश उपाध्याय, सुशील मिश्रा, वरूणेश, शीला, बन्दना, पुष्पा, कमलावती, साक्षी यादव, अनुराधा मद्धेशिया, शाम्भवी, शशिकला आदि अध्यापक/अध्यापिकाएं तथा बच्चे मौजूद रहे।

यूपीपीएससी विवाद के बीच योगी सरकार के फैसले पर अखिलेश यादव का तंज

लखनऊ योगी सरकार की इस घोषणा के बाद अखिलेश यादव ने तंज सका है। अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि भाजपा सरकार को चुनावी गणित समझ आते ही जब अपनी हार सामने दिखाई दी तो वो पीछे तो हटी पर उसका घमंड बीच में आ गया है, इसीलिए वो आधी माँग ही मान रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों और उत्तर प्रदेश लोक सेवा के बीच गतिरोध गुरुवार को समाप्त हो गया जब मुख्यमंत्री ने मांगों पर संज्ञान लिया और घोषणा की कि परीक्षा एक दिन में एक ही पाली में आयोजित की जाएगी। फिलहाल यह घोषणा प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा से संबंधित है, आरओध्एआरओ (समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी) प्रारंभिक परीक्षा के लिए एक समिति बनाई जाएगी। सोमवार से इन परीक्षाओं के अभ्यर्थी इस तर्क के साथ विरोध कर रहे थे कि अलग–अलग पालियों का मतलब अलग–अलग प्रश्न पत्र होगा, जिससे बदले में उन छात्रों को फायदा होगा जिन्हें आसान प्रश्न मिले थे।योगी सरकार की इस घोषणा के बाद अखिलेश यादव ने तंज सका है। अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि भाजपा सरकार को चुनावी गणित समझ आते ही जब अपनी हार सामने दिखाई दी तो वो पीछे तो हटी पर उसका घमंड बीच में आ गया है, इसीलिए वो आधी माँग ही मान रही है। उन्होंने फिर कहा कि अभ्यर्थियों की जीत होगी। ये आज के समझदार युवा है, सरकार इन्हें झुनझुना नहीं पकड़ा सकती। जब एक परीक्षा हो सकती है तो दूसरी क्यों नहीं। चुनाव में हार ही भाजपा का असली इलाज है। जब भाजपा जाएगी तब 'नौकरी' आएगी। पर सहमत हो गया है। अभ्यर्थियों की मांगों को स्वीकार करते हुए यूपीपीएससी ने गुरुवार को समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा स्थगित कर दी और प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा पुराने पैटर्न पर आयोजित करने की घोषणा की। यह निर्णय पिछले तीन दिनों से प्रदर्शन कर रहे छात्रों के अनुरोध पर विचार करने के बाद आया है। सूत्रों ने बताया कि आरओध्एआरओ परीक्षा के तौर–तरीकों पर गौर करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आयोग जल्द ही दोनों परीक्षाओं में बदलाव के संबंध में एक अलग नोटिस जारी करेगा। हालांकि यूपीपीएससी ने परीक्षा की तारीख पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है, लेकिन प्रयागराज के डीएम रवींद्र कुमार ने कहा, आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा परीक्षा (पीसीएस) की तारीख जल्द ही जारी की जाएगी।

बाल दिवस पर न्यू एरा चिल्ड्रेन अकादमी में भव्य बाल मेले का आयोजन

भुसवल। न्यू एरा चिल्ड्रेन अकादमी भुसवल में बाल दिवस के अवसर पर एक भव्य बाल मेले का आयोजन किया गया। इस मेले का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक श्री दीपक सिंह एवं प्रधानाचार्या श्रीमती शालू मल्ल द्वारा रीबन काटकर किया गया।इस मेले में बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया था, जिनमें खेल, प्रतियोगिताएं, और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे। बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक छोटी सी पहल के रूप में इस मेले का आयोजन किया गया था।मेले में उपस्थित बच्चों ने विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों के अलावा, विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिकाएं भी इस मेले में शामिल हुए और बच्चों का मार्गदर्शन किया।इस मेले के आयोजन के पीछे का उद्देश्य बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में शामिल करने का था। विद्यालय के प्रबंधक श्री दीपक सिंह ने कहा, ष्हमारा उद्देश्य बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में शामिल करना है। हमें उम्मीद है कि यह मेला बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव होगा।ष्इस मेले के आयोजन के लिए विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिकाओं ने कड़ी मेहनत की और बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया।

मनाया गया बाल दिवस, पुरस्कृत किए गए बच्चे

घघसरा गोरखपुर । विकास खण्ड पाली के मइला गांव में स्थित सेंट के. डी.पब्लिक स्कूल तथा प्राथमिक विद्यालय बरईपार तेतरिया, उच्च प्राथमिक विद्यालय पुण्डा, संस्कार इण्टर कालेज रिठुआखोर, मदन मोहन मालवीय पब्लिक स्कूल चांदबारी, टीन मेमोरियल स्कूल तिलौरा, कम्पोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय ठर्रापार, पी.जी.ग्लोबल एकेडमी जसुलीपार के विद्यालय में बृहस्पतिवार को बाल दिवस कार्यक्रम आयोजित करके बच्चों को पुरस्कृत किया गया। बरईपार में मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी राम शंकर ने कहा कि समय–समय पर बच्चों को पुरस्कृत करते रहना चाहिए। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। वहीं मइला में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व अध्यापक राम जियावन मौर्य ने कहा कि पहले देश में गुरूकुल के माध्यम से शिक्षा प्राप्त होता था। जबसे देश आजाद हुआ तब से हर बच्चे को 6 से 14 वर्ष के हर बच्चे को संवैधानिक शिक्षा का अधिकार दिया गया। आज शिक्षा के लिए हर गांव में सरकारी के साथ साथ मान्यता प्राप्त स्कूल बच्चों को शिक्षा के लिए मिलेंगे जिससे हर बच्चा शिक्षित बनकर देश और समाज को आगे बढ़ाने का कार्य कर सके। इस अवसर पर बृजनंदन यादव, राजकुमार यादव सहित छात्र–छात्राओं सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

जीव को भवसागर से पार उतारने वाली मात्र एक ही है भागवत कथा – अनुभव कृष्ण जी महाराज

गोला गोरखपुर । गोला उपनगर स्थित गुप्ता कॉम्लेक्स के स्वयम्बर मैरेंज हाल में गुरुवार को मुख्य यजमान वर्मा परिवार द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय संगीत मयी श्री मद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में उपस्थित भागवत कथा प्रेमियों को भागवत कथा का रसास्वादन कराते हुए बृंदाबन से पधारे कथा वाचक अनुभव कृष्ण जी महाराज ने कहा कि भक्ति ज्ञान वैराग्य को देने वाली और इस भव सागर से पार उतारने वाली कथा एक मात्र भागवत को ही कहा गया। जिस ग्रन्थ की सेवा 17 पुराण करते हैं। वाराह पुराण चवर भागवत के सामने डुलाते है। ब्रह्म वैवर्त पुराण जिनके चरण दबाते हों, जो जीव के समस्त शंकाओं का समूल नाश करने वाला हो, और परम ब्रह्म पिता से प्रेम करा देने वाला हो ऐसी कथा तो सिर्फ भागवत ही है। हरि कथा गाते हुए व्यास जी ने कुन्ती प्रसंग को कहते हुए कहा – जीवन में दुःख होने पर भगवान का स्मरण बना रहता है और सुख के आ जानें पर भगवान भूल जाते हैं। ये सबसे बड़ा दुर्भाग्य है जीव का। इस भागवत कथा का शुभारम्भ मुख्य यजमान श्रीमती कांति देवी, अशोक वर्मा, श्रीमती चंद्रावती वर्मा,एवम वर्मा परिवार ने ब्यास पीठ की आरती उतारी। इस अवसर पर भारी संख्या में गोला उपनगर एवम ग्रामीण क्षेत्र के भागवत प्रेमियों ने पहुच कर भागवत कथा का रसापान किया।

सम्पादकीय...

देश की जड़ें कमजोर दुर्भाग्यपूर्ण

भारत में चुनावी रेवड़ी बांटने की फैलती जा रही आत्मघाती राजनीतिक संस्कृति पर अर्थपूर्ण चर्चा के एक मौके को गंवा दिया गया है। इस संस्कृति के कारण देश की जड़ें कमजोर हो रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सभी दल इस होड़ में शामिल हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पार्टी की महाराष्ट्र शाखा को सलाह दी कि विधानसभा चुनाव में वह ऐसे वादे ना करे, जिन्हें बाद में वित्तीय सीमा के कारण लागू करना कठिन हो। इसके पहले कर्नाटक के उप–मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का बयान चर्चित हुआ था, जिससे संकेत मिला कि राज्य सरकार अपनी शक्ति योजना पर पुनर्विचार कर रही है। विवाद बढ़ने पर शिवकुमार ने सफाई दी कि उनके बयान को तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया है। 2023 का विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस सरकार ने शक्ति योजना लागू की, जिसके तहत महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन बयानों को कांग्रेस पर हमला बोलने का औजार बनाया। उनके मुताबिक इससे जाहिर हो गया है कि कांग्रेस की चुनावी गारंटियां फर्जी हैं। उन्होंने कहा– चुनाव– दर– चुनाव कांग्रेस लोगों से ऐसे वादे करती है, जिनके बारे में उसे मालूम है कि वह कभी उन्हें पूरा नहीं कर पाएगी। कांग्रेस अब लोगों के सामने बुरी तरह बेनकाब हो गई है।य इस पर कांग्रेस नेताओं का गुस्सा भड़कना लाजिमी था। सो उन्होंने प्रधानमंत्री की चुनावी गारंटियों का लेखा–जोखा पेश करने की मुहिम छेड़ दी। बहरहाल, खडगे ने अगर चुनावी वादों के मामले में यथार्थवादी रुख अपनाने की सलाह अपनी पार्टी को दी, तो यह सभी दलों के लिए सार्थक आत्म–निरीक्षण का मौका भी हो सकता था।

प्रधानमंत्री चाहते, तो इस बारे में गंभीर राष्ट्रीय चर्चा की पहल कर सकते थे। सभी दलों के बीच संवाद कर राजकोषीय संभाव्यता के दायरे में चुनावी वादे करने पर सहमति बनाने की पहल वे कर सकते थे। मगर सारा मामला तू तू–मैं मैं का बन गया। इस तरह भारत में फैलती जा रही आत्मघाती राजनीतिक संस्कृति पर किसी अर्थपूर्ण चर्चा के एक मौके को गंवा दिया गया है। सिद्ध तथ्य है कि चुनावों रेवड़ी बांटने की संस्कृति मानव एवं सामान्य विकास के क्षेत्रों में बुनियादी निवेश की कीमत पर हो रहा है। इससे देश की जड़ें कमजोर हो रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सभी दल इस होड़ में शामिल हैं। उन्हें अपनी रेवड़ी को उचित, और दूसरों की अनुचित लगती है।

भगवान बिरसा मुंडा की 149वीं जयंती एक ऐतिहासिक प्रेरणा

भारत के समृद्ध इतिहास में भगवान बिरसा मुंडा का नाम एक ऐसे वीर योद्धा और समाज–सुधारक के रूप में अंकित है, जिन्होंने अपने जीवन को जनजातीय समाज की उन्नति और उनके अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। देश में हर साल 15 नवम्बर को उनकी जयंती पर भारत में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। यह दिन न केवल उनकी शहादत और योगदान को याद करने का है, बल्कि यह जनजातीय समुदाय की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, अनवरत संघर्ष और स्वाभिमान का उत्सव भी है। 0–भगवान बिरसा मुंडा का जीवन और उनका संघषरूबिरसा मुंडा जी का जन्म 15 नवम्बर 1875 को झारखंड के उलीहातू गांव में एक साधारण मुंडा परिवार में हुआ था। उनका जीवन बेहद कठिनाइयों से भरा था और उन्हें बाल्यावस्था से ही आर्थिक संघर्षों का सामना करना पड़ा। सामाजिक असमानता, अत्याचार और विदेशी शासकों द्वारा जनजातियों पर निरंतर हो रहे शोषण ने बिरसा मुंडा के अंतर्मन को विद्रोह की भावना से भर दिया। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा लागू जमींदारी प्रथा, धर्मांतरण और जनजातियों के पारम्परिक जीवन पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ संघर्ष किया।0–उलगुलान आंदोलन का नेतृत्वरूबिरसा मुंडा जी ने उलगुलान नामक जनजातीय विद्रोह का नेतृत्व किया, जो अंग्रेजी शासन और उनके द्वारा किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ था। उलगुलान का अर्थ है श्महान विद्रोह।

राजनैतिक रूप से एकजुट मुसलमान भी है जातियों–कुरीतियों में बंटा

राज्यसभा के पूर्व सांसद और पसमांदा मुस्लिम आंदोलन के नेता अली अनवर अंसारी कहते हैं कि मुसलमानों में भी जाति प्रथा हिंदुओं की तरह ही काम करती है। विवाह और पेशे के अलावा मुसलमानों में अलग–अलग जातियों के रीति रिवाज भी अलग–अलग हैं।यह बात समझ से परे है कि गैर भाजपा दलों के नेताओं को हिन्दू समाज में पिछड़े और दलित जाति के लोगों की ही चिंता क्यों सताती है। उनका ध्यान उन और दलित मुसलमानों की तरफ क्यों नहीं जाता है जो उच्च श्रेणी के मुसलमानों के कारण अपने अधिकारों से वंचित हैं। मुसलमानों में इन दलित और पिछड़े लोगों की पहचान पसमांदा समाज के रूप में है। दरअसल, भारतीय मुसलमान मुख्यतः तीन जाति समूहों में बंटा हुआ है इन्हें अशराफ, अजलाफ और अरजाल कहा जाता है। ये जातियों के समूह हैं, जिसके अंदर अलग–अलग जातियां शामिल हैं। हिंदुओं में जैसे ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र वर्ण होते हैं, वैसे ही अशराफ, अजलाफ और अरजाल को देखा जाता है। अशराफ में सैयद, शेखघ, पठान, मिर्जा, मुगल जैसी उच्च जातियां शामिल हैं। मुस्लिम समाज की इन जातियों की तुलना हिंदुओं की उच्च जातियों से की जाती है, जिनमें ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य शामिल हैं। दूसरा वर्ग है अजलाफ. इसमें कथित बीच की जातियां शामिल हैं। इनकी एक बड़ी संख्या है, जिनमें खघस तौर पर अंसारी, मंसूरी, राइन, कुरैशी जैसी कई जातियां शामिल हैं। कुरैशी मीट का व्यापार करने वाले और अंसारी मुख्य रूप से कपड़ा बुनाई के पेशे से जुड़े होते हैं। हिंदुओं में उनकी तुलना यादव, कोइरी, कुर्मी जैसी जातियों से की जा सकती है। तीसरा वर्ग है अरजाल। इसमें हलालखघेर, हवारी, रज्जाक जैसी जातियां शामिल हैं। हिंदुओं में मैला ढोने का काम करने वाले लोग मुस्लिम समाज में हलालखघेर और कपड़ा धोने का काम करने वाले धोबी कहलाते हैं। अरजाल में वो लोग हैं, जिनका पेशा हिंदुओं में अनुसूचित जाति के लोगों का होता था। इन मुसलमान जातियों का पिछड़ापन आज भी हिंदुओं की समरूप जातियों जैसा ही है। राज्यसभा के पूर्व सांसद और पसमांदा मुस्लिम आंदोलन के नेता अली अनवर अंसारी कहते हैं कि मुसलमानों में भी जाति प्रथा हिंदुओं की तरह ही काम करती है। विवाह और पेशे के अलावा मुसलमानों में अलग–अलग जातियों के रीति रिवाज भी अलग–अलग हैं। मुसलमानों में भी लोग अपनी ही जाति देखकर शादी करना पसंद करते हैं। मुस्लिम इलाकों में भी जाति के आधार पर कॉलोनियां बनी हुई दिखाई देती हैं। कुछ मुसलमान जातियों की कॉलोनी एक तरफ बनी हुई है, तो कुछ मुसलमान जातियों की दूसरी तरफ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल में तुर्क, लोधी मुसलमान रहते हैं। उनके बीच काफी तनाव रहता है। उनके अपने–अपने इलाके हैं। राजनीति में भी ये देखा जाता है। अली अनवर कहते हैं कि जीने से लेकर मरने तक मुसलमान जातियों में बंटा हुआ है। शादी तो छोड़िए, रोटी–बेटी का रिश्ता भी नहीं है एक दो अपवाद को छोड़कर.जाति के आध ार पर कई मस्जिदें बनाई गई हैं। गांव–गांव में जातियों के हिसाब से कब्रिस्तान बनाए गए हैं। हलालखघेर, हवारी, रज्जाक जैसी मुस्लिम जातियों को सैयद, शेखघ, पठान जातियों के कब्रिस्तान में दफनाने की जगह नहीं दी जाती। उनके अनुसार, कई बार तो पुलिस को बुलाना पड़ता है। मुसलमानों में कम से कम 15 ऐसी जातियां हैं, जिन्हें अनुसूचित जाति का दर्जा मिलना चाहिए। मुसलमानों में जो पिछड़ी जातियां हैं, उन्हें ओबीसी कैटेगरी में रखा गया है, लेकिन उससे हलालखघेर जैसी जातियों के लोगों को कोई फायदा नहीं मिलता, जबकि उनका पिछड़ापन हिंदू दलितों जैसा है। इस संबंध में प्रो. तनवीर फजल बताते हैं कि धर्म परिवर्तन के समय लोग अपने साथ अपनी अपनी जातियां भी लेकर आए. इस्लाम धर्म अपनाने के बाद भी उन्होंने जाति को नहीं छोड़ा। उत्तर प्रदेश के जिन राजपूतों ने मुस्लिम धर्म अपनाया, वे अभी भी अपने नाम के साथ चौहान लिखते हैं। खघ्द को राजपूत मानते हैं। यह भी माना जाता है कि जो तुर्क, मुगल और अफगान भारत में आए। उन्होंने अपने लोगों को शासन व्यवस्था में ऊंचा स्थान दिया और यहां के लोगों को कमतर निगाहों से देखा। प्रोफेसर फजल के अनुसार हो सकता है कि वहां से भी इसकी शुरुआत हुई हो।खैर, यह सब बातें इस लिये बताई जा रही थीं क्योंकि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा था कि यह लोग मुसलमानों में दलित और पिछड़ों की बात क्यों नहीं करते हैं। मोदी ने कांग्रेस द्वारा जातिगत जनगणना करवाने की मांग की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा केवल हिंदू समाज की जातीय जनगणना की बात करने का उद्देश्य हिंदुओं की एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ भड़काना भर है, जबकि मुसलमानों की विभिन्न जातियों की बात पर कांग्रेस मुंह बंद कर लेती है। वैसे तो मोदी के निशाने पर कांग्रेस और गांधी परिवार था, लेकिन कमोबेश यही स्थिति उन तमाम दलों की भी है जो तुष्टिकरण या मुस्लिम वोट बैंक की सियासत करते हैं। इसमें समाजवादी पार्टी, बसपा, लालू यादव की पार्टी, ममता बनर्जी, केजरीवाल सभी दलों के नेता शामिल हैं। यहां यह याद दिला देना भी जरूरी है कि भले ही मोदी राज में कांग्रेस जातीय जनगणना की बात कर रही हो कांग्रेस का पूर्व नेतृत्व जिसमें नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक की सरकारें शामिल थीं ने हमेशा जातिवाद का विरोध किया था। इतना ही नहीं कांग्रेस कग नेतृत्व वाली संप्रग सरकार जिसके मुखिया मनमोहन सिंह और सुपर पीएम सोनिया गांधी थी ने वादा करने के बावजूद 2011 में हुई जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी से संबंधित जातिगत गणना के आंकड़े को सार्वजनिक नहीं किया था। यह विडंबना ही है कि आज वही कांग्रेस और गाधी परिवार जातीय जनगणना के लिए सबसे अधिक व्याकुल है। कांग्रेस का विभिन्न मुस्लिम जातियों के बारे में चर्चा न करना और उनके बीच सामाजिक न्याय की उपेक्षा कर पसमांदा और अशराफ मुस्लिमों के विभेद को नकारना उसकी सामाजिक न्याय की नीति पर प्रश्नचिह्न लगाता है। प्रधानमंत्री मोदी तो लगातार मुस्लिमों की जातियों और उनके सामाजिक न्याय के संघर्ष की तरफ सबका ध्यान आकर्षित करते रहे हैं, लेकिन तथाकथित सेक्युलर–लिबरल, कांग्रेसी और कम्युनिस्ट मुस्लिमों की जातियों पर चर्चा करना उचित नहीं समझते और न ही मुस्लिम समाज के सामाजिक न्याय का संघर्ष उनके लिए कोई मायने रखता है। उनके इस रवैये से पसमांदा समाज में क्षोभ की स्थिति व्याप्त होना स्वाभाविक है, लेकिन यह और बात है कि इस समाज के पास कोई सियासी विकल्प ही नहीं मौजूद है और बीजेपी पर यह समाज चाह कर भी भरोसा नहीं कर पाता है।क्योंकि बीजेपी के खिलाफ इनको दिलों में काफी जहर घोल दिया गया है। मुसलमानों में व्याप्त जातिवाद और इससे एक बड़े तबके को उसका हक नहीं मिल पाने की स्थिति में ओबीसी से संबंधित जातिगत आंकड़े एकत्र करना नितांत आवश्यक हो जाता है, ताकि शिक्षा, रोजगार एवं राजनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में इससे संबंधित सभी पात्र समुदायों को आरक्षण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। 1955 में आई काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट ने मुसलमानों और अन्य पंथों के बीच कुछ जातियोंध्समुदायों को भी पिछड़ा घोषित किया था। मंडल आयोग ने भी सैद्धांतिक रूप से स्वीकार किया था कि जातियां या जातियों जैसी संरचना केवल हिंदू समाज तक ही सीमित नहीं, अपितु यह गैर हिंदू समूहों–मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों के बीच भी पाई जाती है। इसी तरह से इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ केस में नौ जजों की बेंच ने पिछड़ेपन के निर्धारक के रूप में आर्थिक मानदंड को खारिज कर दिया था।

आईएफएफआई संस्कृतियों का जुड़ाव, सिनेमा की दिग्गज हस्तियों का सम्मान, भविष्य को आकार

55वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) 20 से 28 नवंबर, 2024 के दौरान गोवा के मनोरम तट पर सिनेमाई उत्सव की एक नई छटा बिखेरने को तैयार है। इस वर्ष का यह महोत्सव महज फिल्मों की एक प्रदर्शनी से कहीं बढ़कर होने वाला है। विविध वैश्विक संस्कृतियों का संगम एवं उभरती प्रतिभाओं के लिए एक लॉन्चपैड होने के साथ–साथ यह आयोजन भारत की सिनेमाई विरासत के प्रति एक विनम्र श्रद्धांजलि भी होगा। आईएफएफआई 2024 न केवल अपने विकास की दृष्टि से बल्कि एक विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के रूप में एक ऐसा साहसिक कदम होगा, जो वैश्विक मंच पर भारत की जीवंत संस्कृति और सिनेमा की कला का उत्सव मनाएगा।इस वर्ष, विविध संस्कृतियों को जोड़ने और अंतरराष्ट्रीय समझ को बढ़ावा देने के प्रति फिल्म महोत्सव की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए आईएफएफआई ने ऑस्ट्रेलिया को आकर्षण का केन्द्रबिन्दु वाले देश (कंट्री ऑफ फोकस) के रूप में रेखांकित किया है। आईएफएफआई का यह खंड भारतीय दर्शकों को ऑस्ट्रेलियाई सिनेमा की उस तह में उतरने के लिए आमंत्रित करता है, जहां गंभीर नाटकों से लेकर साहसिक कॉमेडी और विचारोत्तेजक वृत्तचित्रों तक की चुनिंदा फिल्मों की थाह ली जायेगी। इस केन्द्रित दृष्टिकोण के माध्यम से, दर्शकों को ऑस्ट्रेलिया की अनूठी और विकसित सिनेमाई भाषा का एक ऐसा अनुभव हासिल होगा जो आईएफएफआई को अंतर–सांस्कृतिक प्रशंसा एवं संवाद का एक शक्तिशाली मंच बनाएगा। ऐसा करने के क्रम में, आईएफएफआई 2024 एक ऐसे भावविभोर कर देने वाले अनुभव को संभव बनाने हेतु फिल्मों के पारंपरिक प्रदर्शन से परे जाएगा जो इस महोत्सव को दुनिया की विविध कहानियों, लोगों एवं संस्कृतियों के बीच एक सेतु के रूप में स्थापित करेगा।आईएफएफआई 2024 का नवीनतम पुरस्कार, भारतीय फीचर फिल्म का सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक पुरस्कार, भारतीय फिल्मकारों की अगली पीढ़ी पर प्रकाश डालेगा। यह पुरस्कार केवल एक मान्यता भर नहीं होगा। यह एक युवा निर्देशक के करियर में एक ऐसा महत्वपूर्ण क्षण होगा, जो भारतीय सिनेमा में नए दृष्टिकोण के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। इस श्रेणी को पहली बार के निर्देशकों को समर्पित करके, आईएफएफआई रचनात्मक प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें निरंतर प्रतिस्पर्धी होते फिल्म उद्योग में जगह बनाने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता का संकेत देता है। जहां विभिन्न अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव स्थापित प्रतिभाओं पर ही ध्यान केन्द्रित करते हैं, वहीं आईएफएफआई द्वारा नवोदित फिल्म निर्माताओं को मान्यता देना विकास को बढ़ावा देने और भारतीय सिनेमा के भविष्य को अपनाने के प्रति इसके समर्पण को दर्शाता है।इस वर्ष का यह महोत्सव भारतीय सिनेमा की चार महान विभूतियों – राज कपूर, तपन सिन्हा, अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर) और मोहम्मद रफी – को भी श्रद्धांजलि देगा। इन दिग्गज हस्तियों ने भारत की सिनेमाई विरासत को आकार दिया और कई पीढ़ियों के दर्शकों के दिलों पर राज किया। पुनरोद्धार की गई पुरानी फिल्मों और विशेष रूप से तैयार की गई प्रस्तुतियों को पेश करके, आईएफएफआई नई पीढ़ी के लिए उनकी कलात्मकता को जीवंत बनाएगा और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को भारत के समृद्ध सिनेमाई इतिहास की एक सार्थक झलक प्रदान करेगा। यह श्रद्धांजलि भारतीय सिनेमा की गहराई, संस्कृति पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव और इन प्रणेताओं की स्थायी प्रासंगिकता की याद दिलाएगी। आईएफएफआई का फिल्म बाजार, अब अपने 18वें वर्ष में, एक ऐसे गतिशील बाजार के रूप में प्रस्तुत है जो फिल्म निर्माताओं, फाइनेंसरों, वितरकों और अंतरराष्ट्रीय फिल्म उद्योग की अग्रणी हस्तियों को एक साथ लाता है। अपने श्व्यूइंग रूम्य में 200 से अधिक फिल्मों के प्रदर्शन के साथ, फिल्म बाजार वह जगह है जहां कहानियों को निवेशक मिलते हैं, फिल्में वितरकों के साथ जुड़ती हैं और आपसी सहयोग का जन्म होता है। यह समर्पित मंच महोत्सव के दायरे से परे जाकर विभिन्न परियोजनाओं के विकास और उन्हें फलने–फूलने के अवसर पैदा करके केवल प्रदर्शन (स्क्रीनिंग) पर केन्द्रित अन्य फिल्म महोत्सवों से आईएफएफआई को अलग पहचान देता है।

फिल्मी दुनिया/सेहत

अनुष्का सेन ने समझाया फैशन का मतलब है अभिव्यक्ति

अभिनेत्री अनुष्का सेन के लिए फैशन के मायने स्?टाइलिश कपड़ों से कहीं बढ़कर है। उनके हिसाब से यह खुद को व्?यक्?त करने का तरीका है।नव्या नंदा के एंटरप्रेनारी और अबू संदीप के गुलाबो द्वारा आयोजित फैशन शो में अनुष्का ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में नजर आईं। उन्?होंने अपने लुक को फ्री–फ्लोइंग बोहेमियन श्रग से पूरा किया।अनुष्का ने कहा, मैं एंटरप्रेनारी बाय नव्या नंदा और गुलाबो बाय अबू संदीप शोकेस के लिए

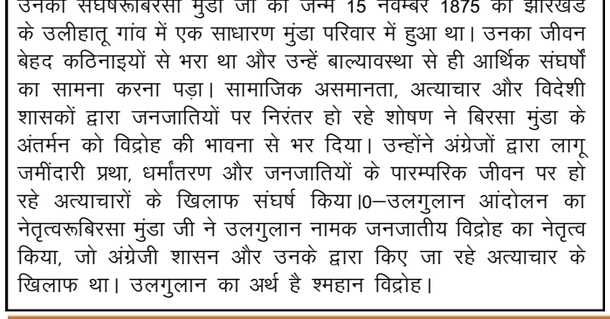

पहली बार रैंप पर चलने को लेकर उत्साहित थी और इनकी आभारी भी हूं। मेरे लिए फैशन कपड़ों से इतर है। यह अपने आप को व्?यक्?त करने का अच्?छा तरीका है यानि ये बताने का कि हम कौन हैं।अभिनेत्री ने कहा कि वह सही अवसर और पल का इंतजार कर रही थीं। उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम एक सपने के सच होने जैसा था, खासकर इसलिए क्योंकि यह महिला उद्यमियों की मदद करने के लिए था। इसका एक और कारण भी था और वो था अबू जानी संदीप खोसला के लिए वॉक करना, जो मेरे पसंदीदा डिजाइनर्स हैं। अनुष्का ने अमिताभ बच्चन की पोती नव्या के साथ अपनी मुलाकात को एक शानदार अनुभव बताया।मैंने पूरे दिल से उस पल को अपनाया और उस अद्भुत अवसर के लिए मैं आभारी हूं। नव्या से मिलना मेरे लिए एक शानदार अवसर था।इस महीने की शुरुआत में अनुष्का ने सोशल मीडिया पर दुर्गा पूजा से एक शानदार फोटो शेयर की थी। वह साड़ी और बड़े झुमके में बहुत खूबसूरत लग रही थीं।उन्होंने साड़ी में अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका शीर्षक था, दुर्गा पूजा 2024। अनुष्का सेन एक भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री हैं,

द साबरमती रिपोर्ट का गाना तेरे मेरे दरमियान जारी, रिश्तों में उलझे विक्रांत मैसी–बरखा

द साबरमती रिपोर्ट इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। विक्रांत मैसी एक बार फिर धीरज सरना की द साबरमती रिपोर्ट के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। फिल्म का दर्शकों को भी बेसब्री से इंतजार है।

हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जार किया था, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। वहीं, अब निर्माताओं ने लोगों का उत्साह बढ़ाने के लिए इसका गाना भी जारी कर दिया है।दो सप्ताह पहले फिल्म का पहला गाना राजा राम रिलीज हुआ था। अब पहला गाना रिलीज होने के बाद इसका नया गाना तेरे मेरे दरमियान रिलीज किया गया। इस गाने में विक्रांत मैसी और बरखा सिंह एक भावनात्मक संघर्ष में फंसे हुए हैं। इस रोमांटिक ट्रैक को अखिल सचदेवा ने गाया और कंपोज किया है।विक्रांत मैसी ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, कभी–कभी सबसे कठिन यात्राएं हमें वह बनाती हैं, जो हम हैं। इस गाने को फैंस भी पसंद कर रहे हैं। साथ ही वे कमेंट सेक्शन में अपनी प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं। वहीं, हाल ही में जारी हुए ट्रेलर में फिल्म की कहानी की झलक देखने को मिली थी। इसमें राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा भी हैं।बालाजी पिक्चर्स द्वारा निर्मित और धीरज सरना द्वारा निर्देशित द साबरमती रिपोर्ट गुजरात के गोधरा कांड पर आधारित है और साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने की दुखद कहानी बताती है। यह घटना 27 फरवरी, 2002 की सुबह घटी, जब साबरमती एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई और अयोध्या से वापस आ रहे 59 तीर्थयात्रियों और कारसेवकों की मौत हो गई। यह भारतीय इतिहास और राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण था और हाल के इतिहास में एक अत्यधिक विवादास्पद अध्याय रहा है, जिसके कारण कई दुखद घटनाएं हुईं, जिन्होंने देश के सामाजिक ताने–बाने को कई तरह से बदल दिया। विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट 15 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिर्फ पांच साल तक खा लें अंगूर, फैट तो आसपास भी नहीं फटकेगा

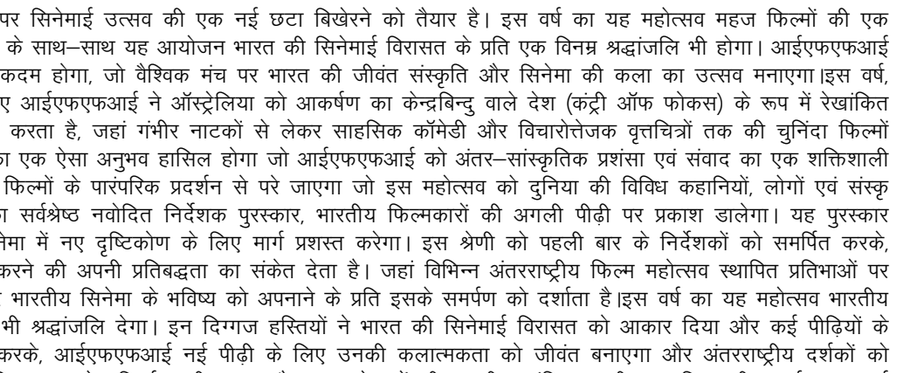

पेट और कमर के आसपास जमी चर्बी लुक को भद्दा बनाने का काम करती है. आजकल ज्यादातर लोगों में इसकी समस्या देखी जा रही है. अगर आप इससे बचना चाहते हैं तो सिर्फ 5 साल तक नियमित तौर पर अंगूर खाएं. इस फल में इतनी ज्यादा ताकत है कि यह लाइफटाइम फैट को आपके आसपास भी फटकने नहीं देगा.

पसंदीदा मौसमी फलों में अंगूर का नाम भी आता है. एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर अंगूर न सिर्फ शरीर में कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल, ब्लड प्रेशर नॉर्मल करता है, बल्कि मोटापा और चर्बी को भी दूर रखता है. आइए जानते हैं इसके फायदे...

5 साल खाएं अंगूर, दूर रहेगी चर्बी

अंगूर प्रोसेस्ड फूड्स से फैट और शुगर को बाहर निकालने में मदद करते हैं और फास्ट फूड्स के साइड इफेक्ट्स से लड़ता है. इस रसदार फल में कई फायदेमंद केमिकल्स भरे होते हैं, जो आंत के गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करते हैं और सूजन को कम करते हैं. इसे खाने से हार्ट अटैक और कैंसर का खतरा भी कम होता है. वेस्टर्न न्यू इंग्लैंड यूनिवर्सिटी के एक रिसर्च में खुलासा हुआ है कि कम से कम 5 साल तक अंगूर खाने से न्यूरॉन फंक्शन को बढ़ाता है, अल्जाइमर से सेफ्टी मिलती है और फैट हमेशा के लिए खत्म हो सकता है.

अंगूर फैटी लिवर रोकने में मददगारएक अन्य अध्ययन के अनुसार, अंगूर मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर कैलोरी बर्न करने में मदद करता है. खासतौर पर अल्जाइमर और गैर–अल्कोहल फैटी लीवर बीमारी को रोकने में मदद कर सकते हैं. रिसर्च के हेड डॉ. पेजुटो का कहना है कि अंगूर लाइफ को भी बढ़ाती है. इसे डाइट में शामिल करने से जीन प्रॉब्लम्स कंट्रोल होती हैं, ऑक्सीडेटिव डैमेज रुकता है, फैटी एसिड मेटाबॉलिज्म में सुधार आता है. ज्यादा फैट वाली चीजें खाने पर भी अंगूर शरीर में फैट जमा नहीं होने देता है.

अंगूर में कौन–कौन से पोषक तत्वविटामिन सी

विटामिन केफाइबर

पोटैशियम

एंटीऑक्सीडेंट

अंगूर खाने के अन्य फायदे

1. वजन कम करने में मदद करता है

खेत में महिला की कुदाल से हत्या, गांव में फैली सनसनी

गोरखपुर । गोरखपुर जिले के हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चरनाद टोला छपिया में गुरुवार सुबह एक महिला की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। 45 वर्षीय संगीता यादव, जो शौच के लिए सुबह 5 बजे खेत की ओर गई थीं, का शव कुछ घंटों बाद गांव के पीछे खेत में खून से लथपथ पाया गया। महिला के सिर पर कुदाल से हमला किया गया था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, महिला के घर न लौटने पर वे उसे ढूंढने निकले और सुबह 7 बजे खून से सना शव मिलने के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर हरपुर बुदहट पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस को घटनास्थल से कुछ दूरी पर खून से सनी कुदाल बरामद हुई है, जिसे जांच के लिए भेज दिया गया है। सीओ गीडा प्रशाली गंगवार और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की है। मृतका के बेटे किसन ने गांव के ही एक युवक पर संदेह जताया है, जिससे महिला के कथित अवैध संबंध की बात सामने आ रही है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच में तेजी लाने का आश्वासन दिया है।

सहजनवां में युवक की हत्या, सिर में गोली मारी

गोरखपुर । गोरखपुर के सहजनवां क्षेत्र के कोमा बाग (भैंसला) के पास गुरुवार की सुबह एक खून से सना हुआ शव मिला। युवक की पहचान 32 वर्षीय धीरेंद्र दुबे उर्फ विशाल के रूप में हुई, जो क्षेत्र के सीहापार का निवासी था और जोमैटो में डिलीवरी ब्वाय के रूप में कार्यरत था। शव के पास एक बिना नंबर की बाइक पड़ी हुई थी और युवक के सिर में गोली मारी गई थी, जिससे उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने जब शव देखा, तो उन्होंने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी सीओ गीडा प्रशाली गंगवार और एसओ विशाल उपाध्याय मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इस हत्या के पीछे के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन पुलिस पूरी घटना की गहन जांच कर रही है। शव के पास पहुंचे युवक के परिजनों और रिश्तेदारों का कहना है कि धीरेंद्र दुबे एक शांत स्वभाव का व्यक्ति था।पुलिस हत्या के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

उरुवा बाजार में श्री हरिकथामृत कथा का भव्य आयोजन

उरुवा बाजार गोरखपुर । गोरखपुर के उरुवा बाजार में 12 नवंबर, 2024 को दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा श्री हरिकथामृत कथा का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों और गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ध ुरियापार के अध्यक्ष अरुण गुप्ता रहे। उनके साथ ध ुरियापार व्यापार मंडल के अन्य प्रमुख सदस्य भी उपस्थित रहे, जिनमें गोविंद जायसवाल, अजय कसौधन, मनीष तिवारी और आधाराम कसौधन शामिल थे। अरुण गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में भाईचारे और शांति का संदेश देते हैं, जो लोगों को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करते हैं।

चाचा नेहरू के याद में बच्चों ने मनाया बाल दिवस

गगहा गोरखपुर । विकास खंड गगहा क्षेत्र के डेमुसा में चल रहे ब्लूमिंग फ्लावर में बच्चों ने धूमधाम से आज चाचा नेहरू के याद में बच्चों ने बाल दिवस मनाया। साथ ही साथ कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम और बाल मेला एवं फैंसी ड्रेसेज का भी आयोजन बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं का भी भरपूर सहयोग मिला। इस कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रबन्धक रविन्द्र कुमार प्रजापति और प्रधानाचार्या सरोज प्रजापति द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर के किया गया। इस कार्यक्रम में प्रथम स्थान शांतनु सिंह,कशिष निषाद, प्रियांशी पांडे,काब्यास यादव ने प्राप्त किया। विद्यालय के प्रबन्धक रविन्द्र कुमार प्रजापति एवं प्रधानाचार्या सरोज प्रजापति तथा शिक्षक शिक्षिकाओं ने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना भी किए।

बच्चे ही देश के भविष्य – अभिषेक राय गाँधी

कौड़ीराम गोरखपुर । प्रत्येक वर्ष की भांति बाल दिवस एवं चाचा नेहरू के जन्मदिन पर समाजसेवी अभिषेक राय गांधी ने प्राथमिक विद्यालय धनौड़ा खुर्द एवं कसिहार मे फल, मिठाई एवं कापी बच्चों के बीच वितरित कर धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में चाचा नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर सभी वरिष्ठ जनों ने अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया। प्राथमिक विद्यालय कसिहार में कांग्रेसियों द्वारा बच्चों को फल और मिष्ठान का वितरण किया गया। बच्चों

के द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू अमर रहें के नारों के साथ बच्चों और विद्यालय परिवार के द्वारा चाचा नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित किया। उक्त अवसर प्रदीप नाथ शुक्ला प्रवक्ता, एडवोकेट विनीत कुमार पांडेय, संजय लारा, अविनाश पति त्रिपाठी

, राधेश्याम तिवारी, महेन्द्र नाथ तिवारी, जितेंद्र यादव, दिनेश यादव, अली हुसैन, राजू राय, संजू राय, नंद कुमार, वरुण राय, तरुण राय, भगवानी देवी, किरन देवी, शीला देवी, कमलावती देवी आदि समस्त विद्यालय परिवार के लोग मौजूद रहे।

एक दिवसीय ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सहजनवा गोरखपुर । उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने व उन्हें धरातल पर उतारने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला का आयोजन बी.आर.सी. सहजनवा के परिसर में किया गया । जिसमें क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधान, सभासद व विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे । कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक प्रदीप शुक्ला के द्वारा किया गया । वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख कवलदीप चौहान, नगर पंचायत अध्यक्ष संजू सिंह व ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष बंसी यादव व सहायक वि० अधिकारी रामधारी उपस्थित रहे । इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी यज्ञ नारायण वर्मा के द्वारा अतिथियों का स्वागत कर, क्षेत्र के सभी विद्यालयों को कायाकल्प योजना के अंतर्गत 19 पैरामीटर पर संतृप्त करने एवं संसाधनों के परिपूर्ण करने का अनुरोध किया । जिस पर ब्लॉक प्रमुख व नगर पंचायत अध्यक्ष के द्वारा आश्वासन दिया गया कि, जल्द से जल्द सभी विद्यालयों का कायाकल्प किया जाएगा । वही कार्यक्रम के दौरान कंपोजिट विद्यालय टेकुआपाती, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के बच्चों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए । कार्यक्रम का संचालन ज्योति ठाकुर के द्वारा किया गया, और कार्यक्रम के अंत में उ० प्र० प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष महेश शुक्ला के द्वारा आए हुए अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया । इस अवसर पर ज्ञान सिंह, दिग्विजय सिंह, यादवेंद्र यादव, हिमांशु मिश्रा, घनश्याम मिश्रा सहित सभी बी.आर.सी स्टाफ

भाजपा संगठनात्मक चुनाव को लेकर कार्यशाला का हुआ आयोजन

घघसरा गोरखपुर । वृहस्पतिवार को संगठनात्मक चुनाव को लेकर भाजपा पाली मण्डल अध्यक्ष शिवचरन प्रसाद की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जहाँ मुख्य वक्ता के रूप में जिला महामन्त्री सबल सिंह पालीवाल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा ही एकमात्र लोकतान्त्रिक पार्टी है। जहाँ बूथ से लेकर ऊपर के सभी संगठनात्मक चुनाव कार्यकर्ताओं द्वारा होता है। गठन की प्रक्रिया पूर्ण रूप से लोकतान्त्रिक होती है। कार्यशाला में विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि बूथ समिति तथा पन्ना प्रमुखों के चुनाव को लेकर पूरी गम्भीरता बरतनी है। समाज के सभी वर्गों तथा महिलाओं का संगठन में समुचित प्रतिनिधित्व हो, इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। मण्डल चुनाव अधिकारी संगम द्विवेदी ने कहा भाजपा के कार्यकर्ता तपस्वी और देवतुल्य हैं, जो राष्ट्र प्रथम के भाव से कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि बूथ की मजबूती ही पार्टी का आधार है। इस अवसर पर चेयरमैन प्रभाकर दूबे, ब्लॉक प्रमुख शशी प्रताप सिंह, रवीन्द्र त्रिपाठी, उमाशंकर पाण्डेय, मनोज सिंह, कृष्ण मोहन कसौधन, रमेश मद्धेशिया, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, त्र्यम्बक उपाध्याय, रामेन्द्र मिश्र, हरिनाथ राज, विजय मिश्र, ध्रुव, रुचिका मिश्रा, श्याम बिहारी त्रिपाठी, सूरज निगम, राजू पांडे, गोविन्द मिश्र समेत पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

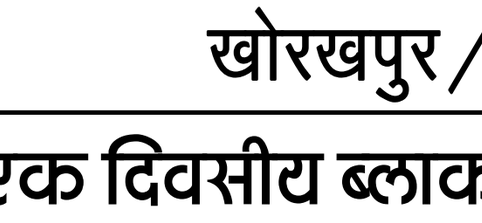

दो पक्षों में चटकी लाठियां, आधा दर्जन घायल

खजनी गोरखपुर । खजनी थाना क्षेत्र के ग्राम सभा सरया तिवारी में घर के सामने मिट्टी पाटने को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद आधा दर्जन से अधिक लोग हुए घायल जिसमें एक युवक को आया गंभीर चोट जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज किया गया रेफर।

मिली सूचना के अनुसार ग्राम सभा सरया तिवारी में किस्मती देवी वह उनके पति सदानंद उर्फ भिखारी को उन्हीं के पाटीदार जितेंद्र, प्रदुम, पिंटू ,सन्नी, सुमित्रा, तीजा, हरिकेश, जितेंद्र, राम बदन, अन्य लोगों ने लाठी डंडा वह धारदार हथियार लोहे का रोड से पीट कर किया लहूलुहान पीड़ित व्यक्तियों ने बताया प्रधान प्रतिनिधि द्वारा पक्का नाली का निर्माण करा दिया गया है।नाली के दोनों साइड बटवारा हुआ था और में अपनी जमीन में माटी पाठ रहा था तभी अचानक पहले से पूर्ण प्लानिंग करके हम सभी पर हमला कर दिए किसी तरह अपनी जान बचाने के लिए हम घर में भाग गए हमारे पाटीदार उपरोक्त लोग घर में घुसकर हमें घसीटते व मारते हुए बाहर लेकर आए और जान से मारने की नीयत से हम सभी को बुरी तरह मार पीट कर घायल कर दिऐ और घर में का सारा सामान तोड़फोड़ दिए बीच बचाव में आए हुए महिला व नाबालिग लड़के को भी पीट–पीटकर घायल कर दिया। खजनी थाना अध्यक्ष सदानंद सिन्हा ने बताया पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जा रही है।

सिवान में महिला का शव मिलने से फैली सनसनी

हरपुर–बुदहट सहजनवां । हरपुर–बुदहट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चरनाद छपिया के सिवान में गुरूवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवती की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत चरनाद छपिया निवासिनी संगीता पत्नी रविन्द्र यादव का शव ग्रामीणों ने सुबह खेत में देखा जिसकी सूचना डायल–112 को दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। देखने से युवती को किसी धारदार हथियार से हत्या किया गया है। युवती का मायका थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बिगही में है। मृतका के चार बच्चे हैं। उक्त घटना के संदर्भ में थाना प्रभारी हरपुर–बुदहट विशाल चौबे ने बताया मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शरारती तत्वों द्वारा दुकान में आग लगाने की कोशिश हुई नाकाम

पिपरौली गोरखपुर । गीडा थाना क्षेत्र के पिपरौली बाजार स्थित एक रेडिमेट गारमेंट की दुकान में कुछ अज्ञात शरारती लोगों द्वारा आग लगाने की कोशिश की गई। पीड़ित ने थाने पर लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग किया हैं। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय थाना अंतर्गत के पिपरौली पुलिस चौकी क्षेत्र के पिपरौली निवासी गुलाम गौस की बाजार में ही गारमेंट की दुकान हैं।

रोज की भांति वह बुधवार को सायं करीब 8 बजे अपनी दुकान बंद कर घर चले गए।

गुरुवार सुबह जब वह दुकान खोलने गए तो देखा कि कपड़े रस्सी, कागज को जलाकर डंडे से शटर के रास्ते दुकान के अंदर डाला गया हैं। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि कुछ शरारती तत्वों ने दुकान जलाने की कोशिश की है ताकि अंदर रखा लाखों रूपये के कपड़े जलकर खाक हो जाए। लेकिन गनीमत रहा कि बड़ी घटना होने से बच गया, पीड़ित दुकानदार ने इस घटना की लिखित शिकायत गीडा थाने पर की है। इस संदर्भ में गीडा थाना प्रभारी अभिनव मिश्रा ने कहा कि मामला संज्ञान में हैं। जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

पोस्टर प्रतियोगिता में शमां नूरीन अंसारी रहीं अव्वल क्विज प्रतियोगिता में समीर अंसारी ने मारी बाजी

सहजनवां गोरखपुर । सहजनवा कार्यालय, स्थानीय दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सहजनवा, गोरखपुर में बृहस्पतिवार को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु उच्च शिक्षा विभाग, गोरखपुर की ओर से एक जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ सड़क सुरक्षा अभियान गोरखपुर की उच्च शिक्षा विभाग कि जनपदीय नोडल अधिकारी एवं दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवा की प्राचार्य डॉ. तरन्नुम बानो के द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने उद्बोधन में जनपदीय नोडल अधिकारी एवं प्राचार्य डॉ. तरन्नुम बानो कहा कि ष्हम सभी लोगों को सड़क अनुशासन के प्रति गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है तभी आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं के प्रतिशत में कमी लायी जा सकती है ।ष् इस कार्यक्रम में जनपद स्तरीय कुल तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिनके परिणाम इस

प्रकार रहे – पोस्टर प्रतियोगिता–शमां नूरीन अंसारी, नंदिनी सौरभ, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

आंचल चौधरी, दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज, गोरखपुर।

क्विज प्रतियोगिता– समीर अंसारी, दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सहजनवा, गोरखपुर।

भाषण प्रतियोगिता– शिवम पाण्डेय, नैंसी श्रीवास्तव, आर्यभट्ट। निर्णायक मंडल में डॉ. अंकिता मद्धेशिया, डॉ. दिग्विजय सिंह, डॉ. धनंजय पाण्डेय, पवन कुमार रहे । इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के डॉ. करुणेश त्रिपाठी, डॉ. सुजीत सिंह, डॉ महंथ यादव, ममता गौतम, श्रुति उपाध्याय, स्तुति मिश्रा, अक्षिता पांडेय, नित्या, पायल भारती, सत्यम, अभय आदि उपस्थित रहे ।

बूथ सत्यापन मंडल कार्यशाला में उमड़े भाजपाई

पिपरौली गोरखपुर । पिपरौली क्षेत्र स्थित गायत्री मंदिर हाल बसधा–पिपरौली में पिपरौली भाजपा मंडल ईकाई के सौजन्य से बूथ सत्यापन मंडल कार्यशाला आयोजित की गई। जिसके मुख्य अतिथि सहजनवां के भाजपा विधायक प्रदीप शुक्ला ने कहा कि कार्यकर्ताओं के बदौलत ही भाजपा इस मुकाम तक पहुंची है। भाजपा ही एक मात्र पार्टी है जिसमें सदैव कार्यकर्ताओं का सम्मान निहित है। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह ने कहा कि भाजपा एक परिवार की पार्टी नहीं है ।यह जनसमुदाय की पार्टी है। जिसमें कार्यकर्ताओं का सदैव सम्मान निहित है। कार्यकर्ताओं के बलबूते ही भाजपा इस मुकाम तक पहुंची है और भविष्य में भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पिपरौली ब्लॉक प्रमुख दिलीप कुमार यादव ने किया तथा संचालन मंडल इकाई अध्यक्ष धर्मराज गौंड ने किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष छोटे लाल मौर्य, महामंत्री रवि प्रताप सिंह,समाज सेवी मोहन सिंह, परमात्मा सिंह, जनार्दन श्रीवास्तव, सुनील निगम, राधेश्याम सिंह, सूरज निगम इत्यादि सहित दर्जनों की संख्या में भाजपाई उपस्थित रहे।

भारत के एकीकरण में पटेल की भूमिका अहम

ब्रह्मपुर गोरखपुर। सरदार वल्लभ भाई पटेल एक प्रमुख भारतीय राजनेता और भारतीय गणराज्य के संस्थापकों में से एक थे। सरदार पटेल ने भारत की रियासतों के एकीकरण में अहम भूमिका निभाई थी।

उक्त बातें अखिलभाग्य महाविद्यालय में आयोजित लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं राष्ट्रीय एकता के विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डी. के राव ने कही। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र हनिश यादव प्रथम, द्वितीय वर्ष की छात्रा स्मृति यादव द्वितीय स्थान व तृतीय स्थान पर बी. ए प्रथम वर्ष के छात्र प्रदीप यादव रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी सिंह ने किया जबकि आभार ज्ञापन डॉ. राजेश्वर मिश्र ने किया। इस अवसर एन एस एस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरविन्द कुमार पासवान, योगेंद्र कुमार, डॉ. रुपा सिंह, डॉ. हरिलाल, अपूर्वा साहनी, डॉ. रीता रानी सहित अन्य शिक्षक, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालयो में चाचा नेहरू जी के जन्म दिवस पर बच्चोंने उत्साह पूर्वक लगाया बाल मेला

गोला गोरखपुर । प्राथमिक विद्यालय ककरही द्वितीय व प्राथमिक विद्यालय परसा लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर शासन के निर्देशानुसार बाल मेले का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र अभिभावकों के साथ मिलकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और नोडल शिक्षक ने विभिन्न गतिविधियां कराई। इसमें बच्चों ने रचनात्मक सृजनात्मक व विकास से संबंधित कार्यक्रम किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से माताएं अभिवाक उपस्थित रहे।इस अवसर पर शिक्षक गण श्रीमती किरण त्रिपाठी विपिन कुमार, विष्णुदत्त मिश्र उषा गुप्ता चंद्रभान, चंद्रप्रभा तिवारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ती कविता शुक्ला, प्राथमिक विद्यालय परसा पर प्रधानाध्यापिका श्रीमती सविता राय प्रतिभा यादव वर्तिका पासवान विवेक चौहान पद्माकर मिश्रा अजय कुमार आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुधा मिश्रा मंजू देवी आदि उपस्थित रहे।

होली एंजेल इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया बाल दिवस

बांसगांव गोरखपुर । होली एंजेल इंटरनेशनल स्कूल में गुरुवार को बाल दिवस के अवसर पर विभिन्न कक्षा के बच्चों के लिए रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान बच्चों को पंडित जवाहर लाल नेहरू के जीवन और उनके बच्चों के प्रति प्रेम के बारे में बताया गया। साथ ही बच्चों से अपील की गई कि वे अपने परिवार और आसपास के लोगों को हेलमेट लगाने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करे। चूंकि नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है। इस मौके पर ट्रस्टी दुर्गेश कुमार राय प्रधानाचार्य अलका राय शिक्षक साथी सूरज गौड़ उत्कर्ष त्रिपाठी राघवेन्द्र तिवारी संतोष यादव, पूजा मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

बालदिवस का हुआ आयोजन

गगहा गोरखपुर । क्षेत्र के आरपीएस पब्लिक स्कूल में बाल दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ–साथ उनकी शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। दौड़ प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय प्रशासन द्वारा पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य शैलेश सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बाल दिवस बच्चों के महत्व और उनके अधिकारों को समर्पित है। इस अवसर पर प्रदीप यादव,बृजेश राम त्रिपाठी, विशाल शाही,राजमणि यादव,राजेश मौर्य,अंकित यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

युवाओं के जागरूकता से हुई गांव की सफाई

कौड़ीराम गोरखपुर । क्षेत्र के बासूडीहा गंभीरपुर के युवाओं द्वारा गाँव में गंदगी और नाली की सफाई कई वर्षों से न होने की सूचना मुख्यमंत्री पोर्टल (आई जी आर एस) पर किये जाने और अखबारों में खबर प्रकाशित होने के चलते गांव में जाम हुई नाली की सफाई खंड विकास अधिकारी कौड़ीराम के आदेशानुसार सफाई कर्मचारियों द्वारा किया गया। गाँव की यह समस्या जो विभिन्न प्रकार के बीमारियों को दावत दे रही थी। उससे गाँव को मुक्त करवाने के लिए गाँव के युवा रविशंकर सिंह मोनू ने आवाज उठाई थी। जिसमे उनका साथ गाँव के सभी युवाओं ने दिया था। गांव के युवा उपेंद्र सिंह,विवेक सिंह,धीरज सिंह,कुलदीप सिंह आदि लोगों सहित समस्त ग्रामसभा ने जिला प्रशासन और ब्लॉक प्रशासन कौड़ीराम को गाँव में सफाई की जो व्यवस्था की है उसके लिए धन्यवाद दिया है।

प्रावि करंजही में बाल–मेला का किया गया आयोजन

कौड़ीराम गोरखपुर । भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस, बाल दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय करंजही कौड़ीराम में बाल–मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं फीता काटकर प्रधानाध्यापक प्रताप नारायण सिंह ने किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए प्रताप नारायण सिंह ने बताया कि बाल मेला आयोजन का उद्देश्य ऐसा मंच प्रदान करना है कार्यक्रम के बाद शिक्षकों ऋषिकेश, अतुल सिंह, प्रदीप शुक्ल व शिमला द्वारा प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार व उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया।

शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ कोटे का चुनाव

हरपुर बुदहट गोरखपुर । विगत कई महीनों से रिक्त चल रहे सहजनवां विकास खंड के ग्राम सभा रामपुर में गुरूवार को कोटे की दुकान का चयन शांति पूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। जिसमें सम्बंधित अधिकारियों की मौजूदगी में कोटे का चुनाव सम्पन्न कराया गया, बताते चलें ग्राम सभा रामपुर से सरकारी कोटे की दुकान कई महीने से रिक्त चल रही थी इसके चयन के संबंध में चुनाव प्रक्रिया कराई गई जिसमें दो लोगों ने दावेदारी दिखाई और शांतिपुर्ण ढंग से चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई गई जिसमें प्रत्याशीयों में गुड़ीया पुत्री यशोदानंद यादव को 187 मत और सुचित्रा पत्नी राजू यादव को 189 मत प्राप्त हुआ। जिसमें 2 वोट से सुचित्रा देवी को विजयी घोषित किया गया कोटा चयन के दौरान मौके पर नायब तहसीलदार सहजनवां भानु प्रताप तथा ग्राम विकास अधिकारी गौरी सिंह, समेत भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे नायब तहसीलदार भानु प्रताप सिंह ने बताया कि दो मतों से सुचित्रा देवी विजय घोषित की गई।

इको क्लब के नेतृत्व में यूपीएस राजधानी पर धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

ब्रह्मपुर गोरखपुर। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिवस को बाल दिवस के रूप में उच्च प्राथमिक विद्यालय राजधानी ब्रह्मपुर गोरखपुर पर उल्लास पूर्वक मनाया गया । इस कार्यक्रम का आयोजन व क्रियान्वयन विद्यालय पर गठित इको क्लब के नेतृत्व में किया गया । सर्वप्रथम प्रार्थना सभा में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक व क्लब के हेड डॉ सुधांशु तिवारी के द्वारा आज बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय

पर आयोजित होने वाली कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।योजना के अनुसार इको क्लब के हरित शिक्षक अवधेश कुमार चतुर्वेदी के नेतृत्व में इको क्लब प्रेसिडेंट कक्षा 8 के छात्र रवि किशन के नेतृत्व में विद्यालय के बच्चों ने विद्यालय प्रांगण में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया तत्पश्चात जवाहरलाल नेहरू जी की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। विद्यालय के बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके उपरांत विद्यालय पर विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बालिकाओं के लिए युगल बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन प्रमुख रहा। गुरुवार (सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन दिवस) होने के कारण बच्चों को नाश्ते में चिक्की का वितरण किया गया । शाम की सभा में विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधांशु तिवारी के द्वारा नेहरू जी के जीवन और उनके कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को उनसे प्रेरणा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया गया तथा बाल दिवस के अवसर पर सुधांशु तिवारी के द्वारा इको क्लब के सभी छात्र सदस्यों को उपहार स्वरूप विद्यालय का नाम व मोनोग्राम युक्त टीशर्ट उपहार स्वरूप प्रदान किया गया । जिसे पाकर बच्चे अत्यधिक उत्साहित हुए। कार्यक्रम में इको क्लब के कक्षा कोऑर्डिनेटर क्लास 8 के कुमारी मीनाक्षी व शनिदेव, कक्षा 7 से काजल व प्रिंस तथा कक्षा 6 के कोऑर्डिनेटर खुशी एवं शिवानंद द्वारा सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम के समापन पर बच्चों को विद्यालय परिवार की तरफ से मिष्ठान वितरण किया गया कार्यक्रम का संचालन अवधेश कुमार चतुर्वेदी के द्वारा किया गया।

अखिलभाग्य चिल्ड्रेंस एकेडमी में मनाया गया बाल दिवस

ब्रह्मपुर गोरखपुर। अखिलभाग्य चिल्ड्रेंस एकेडमी कैथवलिया गोबड़ौर गोरखपुर में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जयंती पर उन्हें याद कर बालदिवस मनाया गया। इस अवसर पर दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में बिस्किट इटिंग, म्यूजिकल चेयर, कोन रेस, ५० मीटर रेस (लड़को का), ५० मीटर रेस (लड़कियों का), थ्री लेग रेस,बुक बैलेंस, १०० मीटर रेस (लड़को का), टग आफ वार ब्वायज ग्रुप, टग आफ वार गर्ल्स का आयोजन किया गया। विजयी छात्र छात्राओं को अखिलभाग्य के प्रधानाचार्य डॉ विनोद कुमार ओझा ने मेडल देकर उन्हें सम्मानित किया। इसी दौरान दीया मेकिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता में विजई छात्र छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित छात्र छात्राओं में अनन्या पांडेय, रौनक, शौर्या साहनी, कृष्णा भारती, अंकिता और आयसा पांडेय, अनुष्का यादव, लक्ष्य यादव, निमिषा, सुजित यादव, दीपा साहनी, कृष्ना यादव, अदनान, शुभम यादव, आयुष, अभय, आशुतोष पाण्डेय, प्रियांशु भारती, प्रियांशी, शमां, अर्चिता पांडेय,पायल, आंचल यादव, अंकिता यादव, अंशिका प्रथम एवं अंशिका द्वितीय रहे। इस अवसर पर एकेडमी के निदेशक डॉ संध्या राय ने छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एकेडमी के प्रबंधक डॉ सुधीर कुमार राय ने कहा कि हमें नेहरू जी के जीवन से सीख लेनी चाहिए, नेहरू जी को बच्चे बहुत प्रिय थे, इसलिए उनके जयंती के अवसर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानाचार्य डॉ विनोद कुमार ओझा ने नेहरू जी से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर एकेडमी के शिक्षक शिक्षिकाओं में त्रिपुरारी शर्मा, नवनीत विश्वकर्मा, अनिरुद्ध पासवान, खेल शिक्षक चंद्रशेखर, प्रिंस राय, विनीत कुमार, सीतू थापा, शिवांगी मिश्रा, शीतल पाल, सारिका चौधरी, रुबी यादव, शिवानी राव, रिचा, वंदना, प्रतिभा सिराज अहमद, राहुल कश्यप, तथा कर्मचारियों में मिथिलेश कुमार यादव, सूरज, दिनेश कुमार सिंह, हरेंद्र आदि लोगों ने बधाई दी।

एलपीके इंटर कालेज में पंडित नेहरू की जयंती धूमधाम से मनाई गई

चौरी चौरा गोरखपुर । एलपीके इंटर कॉलेज, बसडीला सरदार नगर में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. दिनेश मणि त्रिपाठी ने पंडित नेहरू के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका योगदान न केवल स्वतंत्रता संग्राम में, बल्कि नए भारत के निर्माण में भी अनमोल था। कार्यक्रम के दौरान इंग्लिश मीडियम के विद्यार्थियों ने मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें छात्रों ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। समारोह में डॉक्टर मार्कण्डेय शुक्ल (अध्यक्ष, प्रबंध समिति), प्रबंधक सरदार सुखदेव सिंह मजीठिया, रवि प्रताप सिंह, प्रियंका सिंह, मनीष सिंह, हरिद्वार पाण्डेय, अरविंद कुमार ध्रुवे, निकिता त्रिपाठी, नेहा कुमारी, स्वाति सिंह, मनीषा शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सीपीए में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस

चौरी चौरा गोरखपुर। सेंट्रल पब्लिक एकेडमी चौरी चौरा में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के उपलक्ष्य में बाल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर नन्हें बच्चों के लिए पिकनिक एवं खेल प्रतियोगिता जिसमें खोखो, कबड्डी, वॉलीबॉल, बिस्कुट रेस, चाली चौप्लिन वॉक, बैलून रेस, थ्री लैग्ड रेस, सैक रेस सहित कई रोचक गतिविधियां आयोजित की गई जिनमें अनीता, आफताब, सत्यप्रकाश, संजना, जागृति, शुभम, आदित्य, सैफ, शिखा, सलोनी, अंकिता, आलोक इत्यादि विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया । विद्यालय के चेयरमैन डॉ. अभिमन्यु कुमार दुबे एवं प्रशासिका डॉ. गीता दुबे ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू एक महान विचारक, दूरदर्शी और सच्चे राजनेता होने के साथ ही बच्चों के प्रति गहरा स्नेह रखते थे जो आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रवि कुमार पाण्डेय एवं उप प्रधानाचार्या श्रीमति सरोज वर्मा ने छात्रों की सक्रिय भागीदारी के लिए उनकी प्रशंसा की और शारीरिक गतिविधि और रचनात्मकता के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता एवं सभी छात्रों को चॉकलेट वितरण के साथ सम्पन्न हुआ । इस आयोजन में दिनेश शर्मा, मुकेश त्रिपाठी, बीर बहादुर

विद्यालयों में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

प्रतापपुर देवरिया। बनकटा विकास खण्ड क्षेत्र के तमाम सरकारी गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों में देश के प्रथम प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को बाल दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया। नेहरु इंटर कालेज फूलवरिया, बंगरुआ में 24 घंटे अखंड संकीर्तन के साथ वार्षिक उत्सव समारोह के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेल कूद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी भाटपार रानी रत्नेश तिवारी रहे। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जी का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। शिक्षा ऐसा चाभी है जिससे विकास की हर ताला शिक्षा नामक कुंजी से ही खुलती है। क्षेत्राधिकारी भाटपार रानी शिवप्रताप सिंह ने विशेष कर छात्राओं को सुरक्षा संबंधित जानकारी देते हुए कहा कि बच्चियां अपने आपको निडर बनाएं। वहीं क्षेत्र के इंगुरी सराय स्थित गुरुकुलम इंटरनेशनल स्कूल में बाल दिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता, कबड्डी, दौड़ सहित अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया और सभी बच्चों को विद्यालय प्रबंधन के तरफ से भोजन और मिठाई का भी प्रबंध करने के साथ ही अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। विकास खण्ड क्षेत्र के संत दिगम्बर उच्चतर विद्यालय पचरुखिया, महात्मा।गांधी पब्लिक स्कूल हाता, रघुकुल एकेडमी हरेराम चौराहा में भी अनेकों प्रकार के खेलकूद का आयोजन कर बाल दिवस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आय हुए सभी अतिथियों एवं वरिष्ठ जनों को विद्यालय के प्रबंधक वशिष्ठ पाण्डेय द्वारा स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया व सभी का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से खुशबू कुमारी संध्या, सृष्टि, कृति, साधना रिंकी, पूजा, अंशु, दीपशिखा, रिया, सोनी, चांदनी, प्रिया, दिव्या, अंशिका,पलक पाण्डेय, आफरीन खातून, मधु, अंशु, पूजा, संजू, अंजलि, खुशी कुमारी, अंजली चौरसिया, पल्लवी, अंजनी, मनीष, स्नेहा, छोटी, रेनू, सत्यम, मणि, शुभम, आदर्श, प्रदीप, आदित्य, सौरभ, अजय, शैलेश, सुगंति आदि ने भाग लिया।

अधेड़ की हत्या के मामले में सात आरोपी जेल भेजे गए, बरहज में तनावपूर्ण माहौल

बरहज, देवरिया। देईडीहा में 50 वर्षीय रामप्यारे प्रसाद की हत्या के मामले में बुधवार को स्थानीय पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपियों में चार पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने यह कार्रवाई मृतक की पुत्री ममता की तहरीर पर की, जिसमें रामप्येशर, भरत, कन्हैया, मनीष, सोनमती, रवीना और प्रियंका पर आरोप लगाए गए थे। घटना सोमवार शाम की है, जब रामप्यारे प्रसाद गाय का दूध निकाल रहे थे। इसी दौरान रामप्येशर के घर का एक जानवर उनकी गाय के पास आ गया, जिससे दूध की बाल्टी गिर गई। इस पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और मारपीट शुरू हो गई। विवाद में रामप्यारे प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए थे और इलाज के लिए गोरखपुर ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था और बुधवार को उनका चालान कर दिया। थाना परिसर से आरोपियों को जेल भेजते समय माहौल कुछ देर के लिए गरम हो गया था। पुलिस इंस्पेक्टर राहुल सिंह ने बताया कि मामले की जांच जारी है और सभी आरोपियों का चालान कर दिया गया है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

कसया रोड ओवरब्रिज पर स्कूटी में लगी आग, महिला सवार बाल-बाल बचीं

देवरिया। कसया रोड ओवरब्रिज पर एक गंभीर घटना घटी, जब दो महिला सवार एक स्कूटी पर यात्रा कर रही थीं और अचानक उनकी स्कूटी में आग लग गई। यह घटना उस समय हुई जब महिलाएं ओवरब्रिज से गुजर रही थीं। आग लगने के कारण स्कूटी धू-धू कर जलने लगी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, गनीमत रही कि दोनों महिलाएं समय रहते स्कूटी से कूद कर बाल-बाल बच गईं। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने भी मदद की और दोनों महिलाओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक, रामगुलाम टोला निवासी ये महिलाएं अपने गंतव्य की ओर जा रही थीं, तभी ओवरब्रिज पर अचानक स्कूटी में आग लग गई।

मिशन शक्ति फेज-5 अभियान महिलाओं की सुरक्षा के लिए जागरूकता बढ़ाने का अभियान

देवरिया। पुलिस अधीक्षक देवरिया संकल्प शर्मा के निर्देशन में और अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी दीपेन्द्रनाथ चौधरी के पर्यवेक्षण में जनपद देवरिया में ष्मिशन शक्तिष् फेज-5 अभियान और ऑपरेशन जागृति का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा के बारे में जागरूक करना और उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान करना था। सम्पूर्ण जनपद के थानों की एन्टी रोमियो टीम ने स्थानीय चौपालों पर महिलाओं और बालिकाओं से संवाद किया। उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे 1090 (वीमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 102 (स्वास्थ्य सेवा), 1098 (चाइल्ड लाइन), 1930 (साइबर क्राइम) आदि के बारे में बताया गया। इसके अलावा, पंपलेट्स, ऑडियो और वीडियो के माध्यम से उन्हें अपनी सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दी गई।

37 अधिकारियों के नवंबर माह के वेतन आहरण पर लगा रोक

देवरिया। गुरुवार को जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने आईजीआरएस प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में लापरवाही बरतने पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए 37 अधिकारियों के नवंबर माह के वेतन आहरण पर रोक लगा दी है। जिन अधिकारियों के वेतन आहरण पर रोक लगाई गई है, उनमें 10 बीडीओ, 5 एडीओ पंचायत, विद्युत विभाग के दो अधिशासी अभियंता समेत डीपीआरओ, बीएसए, ईओ एवं एआरटीओ सहित विभिन्न अधिकारी शामिल हैं।

डीएम ने कहा कि जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथमिकता का विषय है। शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापरक एवं तथ्यपूर्ण होना चाहिए। सतही निस्तारण किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं है। असंतुष्ट फीडबैक की वजह से जनपद की रैंकिंग प्रभावित हो रही है। जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त माननीय मुख्यमंत्री जी संदर्भ, सीएम हेल्पलाइन, ऑनलाइन सन्दर्भ, मंडलायुक्त संदर्भ, पीजी पोर्टल भारत सरकार एवं संपूर्ण समाधान दिवस तथा जिलाधिकारी जन सुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण समीक्षा में यह तथ्य सामने आया कि उक्त अधिकारियों द्वारा बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद जन समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बरती जा रही है, जो अक्षम्य है।

सेंट्रल एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

चौरी चौरा गोरखपुर। सेंट्रल एकेडमी चौरी चौरा में पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म दिवस, बाल दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया। पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ ही इस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। निदेशक सृंजय कुमार मिश्र ने सभी छात्र-छात्राओं को बाल दिवस पर बधाई दिया। प्रधानाचार्य संजीव कुमार श्रीवास्तव ने बाल दिवस पर समस्त छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। इसके उपरांत विद्यालय में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत मनमोहक रहे। विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई जिसमें रैबिट रन, स्टिक बैलेंस, बाल बैलेंसिंग, हेल्पिंग हैंड रेस, रस्सा कस्सी,वन लेग टैग, रैट ए टैट तथा वॉलीबॉल प्रतियोगिता प्रमुख रही। इसी क्रम में फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में छोटे बच्चों का रेड डे भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निदेशिका अनुराधा मिश्रा, सहाक निदेशक अमन आकाश मिश्रा, विमला पांडेय, सुशील नायक, दानवीर सिंह, अनिल सिंह, प्रतिमा उपाध्याय, अनीता पासवान, अनिल

रामपुर गाँव में भारी हंगामे के बीच सुचिता यादव बनीं नई कोटेदार,

विरोधियों ने लगाया पक्षपात का आरोप

गोरखपुर । हरपुर बुदहट क्षेत्र के रामपुर गांव में कोटा चयन की प्रक्रिया तीसरी बार आयोजित की गई, जिसमें सुचिता यादव को गाँव की नई कोटेदार चुना गया। इस निर्णय पर भारी विवाद और विरोध के बाद मामला तूल पकड़ गया है। सुचिता को 189 मत मिले, जबकि दिव्यांग प्रत्याशी गुड़िया यादव को 187 वोट हासिल हुए। हालाँकि, गुड़िया यादव के समर्थकों का दावा है कि दोनों प्रत्याशियों को बराबर (188–188) वोट मिले थे, पर अधिकारियों ने पक्षपातपूर्ण निर्णय लेते हुए सुचिता यादव को कोटेदार घोषित कर दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस कोटा का विवाद पिछले कुछ महीनों से चला आ रहा था। कुछ माह पूर्व रामपुर का कोटा निलंबित कर बैजलपुर में अटैच कर दिया गया था, जिसके कारण ग्रामीणों में असंतोष था। इसी वजह से कोटा चयन की प्रक्रिया दो बार निरस्त हो चुकी थी। गुरुवार को चयन प्रक्रिया के दौरान जैसे ही नतीजे घोषित हुए, गुड़िया यादव के समर्थकों ने इसे गलत बताते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि राजनीतिक दबाव के चलते प्रशासन ने पक्षपात करते हुए सुचिता यादव को विजयी घोषित किया। ग्रामीणों द्वारा हंगामे की स्थिति देखकर चयन प्रक्रिया में शामिल नायब तहसीलदार भानू प्रताप सिंह और ग्राम सचिव गौरी सिंह मौके से चले गए। ग्राम सचिव गौरी सिंह ने स्पष्ट किया कि सुचिता को गुड़िया से दो अधिक वोट मिले हैं, इसलिए नियमों के अनुसार उन्हें कोटेदार घोषित किया गया। विरोध करने वाले समर्थकों ने उपजिलाधिकारी सहजनवा को ज्ञापन देकर इस निर्णय की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बाल दिवस पर रोटरी क्लब पूरनपुर रश्वयल्स ने आयोजित किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

पूरनपुर गोरखपुर । बाल दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब पूरनपुर रॉयल्स द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय पूरनपुर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। प्रधानाचार्य ने नेहरू जी के जीवन और उनके बच्चों के प्रति प्रेम पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कक्षा 8 की सदफ, कक्षा 7 की यासमीन और कक्षा 6 की नंदिनी ने नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि गायन प्रतियोगिता में कक्षा 8 की एलिना, कक्षा 7 की सादिया और कक्षा 6 के अंकित ने अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेरा। इसके अलावा, बालिका शिक्षा पर आधारित एकांकी ने भी दर्शकों को जागरूक करने का कार्य किया। क्लब की ओर से बच्चों के लिए भोजन और पुरस्कार वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष सोनू छीना, डॉक्टर मनदीप सिंह, प्रशांत सक्सैना और संस्थापक अध्यक्ष कौशलेंद्र भदौरिया समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ट्रंप से मिले वाइडेन हाथ मिलाया, साथ भी बैठे, मगर दोनों के चेहरे पर तनाव साफ नजर आ रहा था

इस बैठक के बारे में व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कैरिन जीन-पियरे ने संवाददाताओं से कहा, ष्दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा और घरेलू नीतिगत मुद्दों पर चर्चा की।ष उन्होंने कहा कि लगभग दो घंटे तक चली यह बैठक बहुत सौहार्दपूर्ण रही। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में शानदार जीत हासिल करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन से व्हाइट हाउस में मुलाकात की और सत्ता हस्तांतरण से जुड़ी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के अलावा विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अमेरिकी रुख के बारे में जानकारी हासिल की। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने अमेरिकी परंपरा के तहत सत्ता के सहज हस्तांतरण का संकल्प जताया। दोनों नेताओं ने देश को अगले वर्ष 20 जनवरी को शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण का आश्वासन दिया है जोकि बड़ी बात है क्योंकि चार साल पहले ट्रंप ने बाइडन को सत्ता बहुत तनावपूर्ण माहौल में सौंपी थी। ट्रंप जब व्हाइट हाउस पहुँचे तो बाइडन ने उनका स्वागत किया और दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया। बाइडन ने ट्रंप को उनकी जीत पर बधाई दी और कहा कि वह एक सहज सत्ता हस्तांतरण की आशा करते हैं।इस बैठक के बारे में व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कैरिन जीन-पियरे ने संवाददाताओं से कहा, ष्दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा और घरेलू नीतिगत मुद्दों पर चर्चा की।ष उन्होंने कहा कि लगभग दो घंटे तक चली यह बैठक बहुत सौहार्दपूर्ण रही। बताया जा रहा है कि बाइडन ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति से कहा कि हम सुचारू रूप से सत्ता हस्तांतरण की आशा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपको जो चाहिए, वह मिल जाए, इसके लिए हम सब कुछ करेंगे। रिपोर्टों के मुताबिक बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने यूक्रेन और मध्य पूर्व के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। जीन-पियरे ने कहा कि बैठक के दौरान बाइडन ने अमेरिकी कांग्रेस के आगामी सत्र के लिए अपनी प्राथमिकताओं पर जोर दिया, जिसमें सरकार को वित्त पोषण देना और आपदा राहत के लिए अतिरिक्त धन प्रदान करना शामिल था। हम आपको बता दें कि बैठक के दौरान बाइडन के चीफ ऑफ स्टाफ जेफ जिएंट्स और ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स भी मौजूद थीं। ट्रंप के आगमन पर उनका अभिनंदन करने के लिए प्रथम महिला जिल बाइडन भी आगे आईं। व्हाइट हाउस ने कहा कि उन्होंने ट्रंप को उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप के लिए बधाई का एक हस्तलिखित पत्र दिया और परिवर्तन में सहायता के लिए अपनी टीम की तत्परता व्यक्त की।वहीं, व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने पत्रकारों को बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने बैठक के दौरान ट्रंप को बताया कि यूक्रेन का समर्थन अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अच्छा है क्योंकि एक मजबूत और स्थिर यूरोप जरूरी है। वहीं ट्रंप ने अपनी इस मुलाकात के बारे में न्यूयॉर्क पोस्ट को जानकारी दी है कि उन्होंने और बाइडन ने अपनी बातचीत के दौरान मध्य पूर्व के बारे में बहुत बात की। न्यूयॉर्क पोस्ट में ट्रंप के हवाले से कहा गया है कि मैं इस बारे में उनके विचार जानना चाहता था कि हम कहां हैं। ट्रंप ने साथ ही कहा कि राजनीति कठिन है और कई मामलों में यह बहुत अच्छी दुनिया नहीं है, लेकिन आज यह एक अच्छी दुनिया है, और मैं इसकी बहुत सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव बहुत सहज है और यह जितना संभव हो उतना सहज होगा।उनके चेहरे पर साफ नजर आ रहा था। देखा जाये तो ओवल ऑफिस में निर्वाचित राष्ट्रपति का स्वागत करने का पारंपरिक शिष्टाचार है जिसे ट्रंप ने 2020 में बाइडन के जीतने पर नहीं निभाया था। ट्रंप और बाइडन सालों से एक-दूसरे की आलोचना करते रहे हैं। उनकी संबंधित टीमें भी विभिन्न मुद्दों की नीतियों पर काफी अलग राय रखती हैं। इसके अलावा, 81 वर्षीय बाइडन ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा बताते रहे हैं तो वहीं 78 वर्षीय ट्रंप बाइडन को अक्षम बताते रहे हैं। जून में हुई प्रेजिडेंशियल डिबेट के बाद दोनों नेताओं की यह पहली महत्वपूर्ण बैठक थी।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला-सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक- कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।